नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

'मकड़ी का जाला' नाटकाचे सादरीकरण

प्रदर्शनकारी कला विभागाचे आयोजन

वर्धा, 9 जानेवारी 2019: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग के बैचलर ऑफ वोकशनल कोर्स तृतीय छमाही के विद्यार्थियो ने डॉ. राम प्रकाश सक्सेना द्वारा रचित नाटक "मकड़ी का जाला" 26 दिसम्बर को प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का संयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश पावड़े ने किया। नाटक का निर्देशन सहायक प्रोफेसर डॉ॰ सुरभि विप्लव तथा सह निर्देशन विभाग के एम.ए. छात्र अजय दहायत ने किया।

नाटक में स्वराज बघेल, शुभम श्रीवास्तव, सुप्रिया भंडारे, अविनाश पाण्डेय, भूषण भोयर, आयुशी र॰ चांदेकर, सोनाली पाण्डेय, अनिकेत करपे, लीना जमनालाल भट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नाट्य प्रस्तुति का दृश्य–विन्यास भूषण भोयर ने किया तथा रूप सज्जा लीना भट, प्रकाश संयोजन शिव कुमार, संगीत अजय दहायत तथा विक्रम प्रताप सिंह, पीयूष मंढारे द्वारा किया गया। नाटक प्रस्तुति में विशेष सहयोग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अविचल गौतम, डॉ. अश्विनी कुमार तथा चैतन्य आठले ने किया ।

निर्देशक डॉ. सुरभि विप्लव के अनुसार "मकड़ी का जाला" आज के समय पर कटाक्ष करता है और आज अस्पताल में हो रहे तमाम स्तर के भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा होता है। एक मरीज अस्पताल कई समस्याओं से जूझता है इसे बयान करता है तथा "मकड़ी का जाला" प्रतीक हैं हमारी सामाजिक जड़ता का जिसे हम सदैव चाहते हैं दूसरे व्यक्ति साफ करें, जिसे हर व्यक्ति को अपने मन मस्तिक से स्वयं को हटाना होगा तभी यह जाला हमारे समाज से पूरी तरह समाप्त हो सकेगा और एक बेहतर सामाजिक परिदृश्य हम निर्मिति की ओर कदम बढ़ा सकेगें।